

उत्तराखण्ड नई जलविद्युत परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र से राज्य के लिये 2123 मेगावाट क्षमता की 21 नई [जलविद्युत परियोजनाओं](#) की अनुमति मांगी थी।

मुख्य बंदि

- केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर [टहिरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स](#) और राज्य में विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिये राज्य के दौरे पर हैं।
- मुख्यमंत्री के अनुसार, वर्तमान में उत्तराखण्ड की कुल [जलविद्युत](#) उत्पादन क्षमता का केवल 40% ही उपयोग किया जा रहा है।
- विशेषज्ञ समितियों ने [अलकनंदा](#) और [भागीरथी नदियों](#) तथा उनकी सहायक नदियों पर कार्यान्वयन परियोजनाओं की सफारिश की है।



//

अलकनंदा नदी

- यह [गंगा](#) की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।
- इसका उद्गम उत्तराखण्ड के [सतोपंथ और भागीरथ ग्लेशियर](#) से होता है
- यह [देवप्रयाग में भागीरथी नदी](#) से मिलती है जिसके बाद इसे गंगा कहा जाता है।
- इसकी मुख्य सहायक नदियाँ [मंदाकनी, नंदाकनी और पंडार](#) हैं।

- अलकनंदा प्रणाली चमोली, टहिरी और पौड़ी ज़िलों के कुछ हिस्सों तक वसित है।
- **बदरीनाथ** का हट्टि तीरथस्थल और प्राकृतिक झरना तप्त कुंड अलकनंदा नदी के कनारे स्थित है

भागीरथी नदी

- यह उत्तराखंड की एक अशांत हिमालयी नदी है और गंगा की दो मुख्य धाराओं में से एक है।
- भागीरथी नदी 3892 मीटर की ऊँचाई पर, गौमुख में **गंगोत्री ग्लेशियर** के तल से निकलती है और 350 किलोमीटर चौड़े गंगा डेल्टा में फैलकर अंततः बंगाल की खाड़ी में गरिती है।
- भागीरथी और अलकनंदा गढ़वाल में देवप्रयाग में मलिति हैं तथा उसके बाद गंगा के नाम से जानी जाती हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-new-hydel-power-projects>

